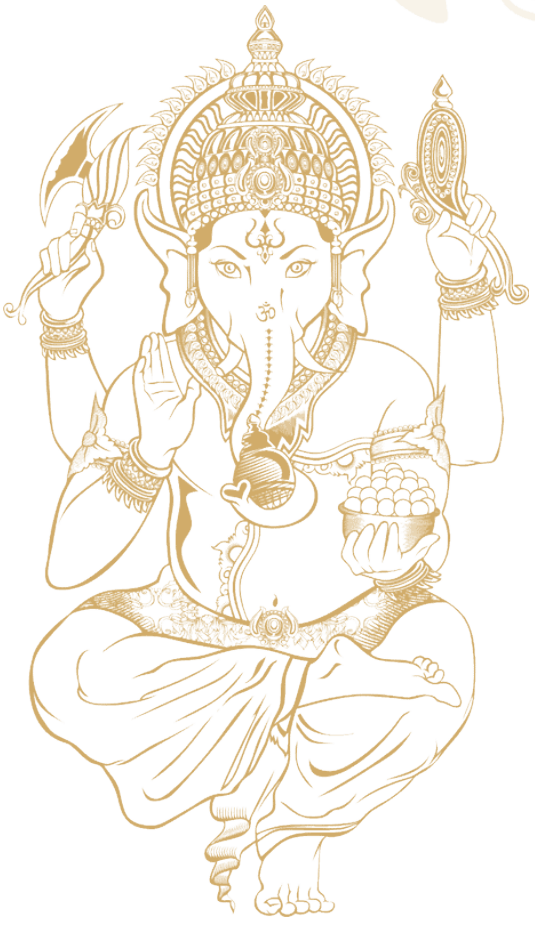

Manasvi mishra

26 Aug 1996

05:45 AM

Bhubaneswar

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121392812

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/08/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**05:45:00 घंटे**
इष्ट	00:38:44 घटी
स्थान	**Bhubaneswar**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	20:13:00 उत्तर
रेखांश	85:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:58:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:47 घंटे
साम्पातिक काल	04:16:27 घंटे
सूर्योदय	05:29:30 घंटे
सूर्यास्त	18:06:56 घंटे
दिनमान	12:37:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:14:12 सिंह
लग्न के अंश	12:00:02 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:00:02	333:43:39	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	09:14:12	00:57:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	00:36:56	14:56:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	26:46:16	00:38:35	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	06:02:17	00:43:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	14:07:31	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मिथु	23:34:53	00:59:54	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मीन	12:25:06	00:03:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:40:50	00:04:25	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:40:50	00:04:25	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:36:39	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:36:34	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:35:23	00:00:31	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	12:11:27	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:41

लग्न-चलित

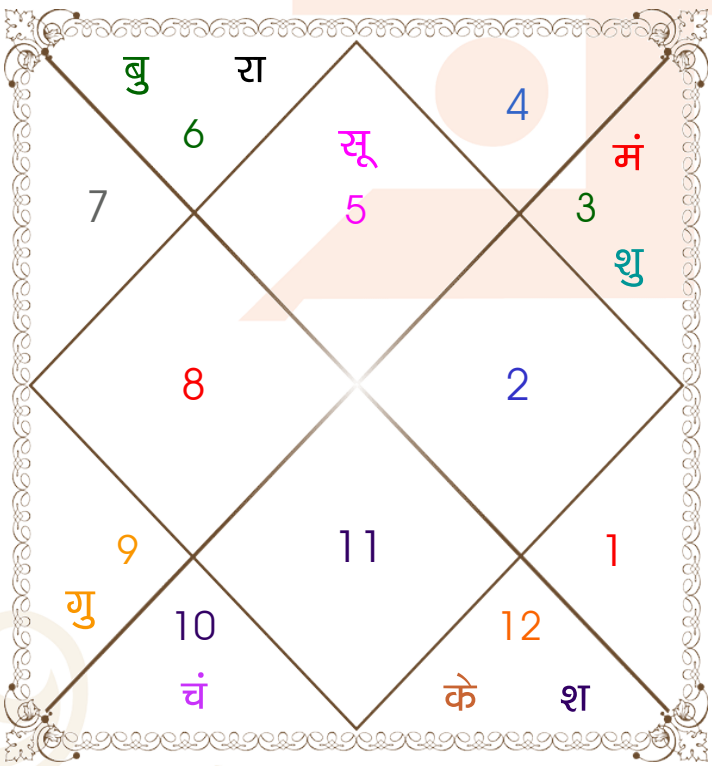

चन्द्र कुंडली

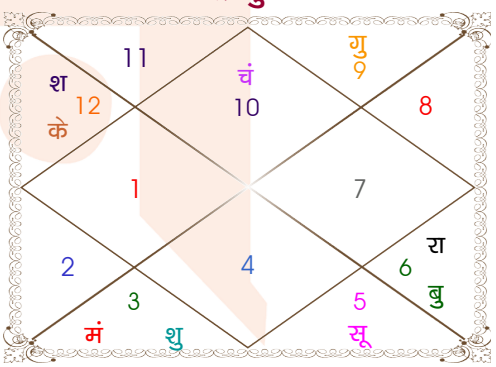

नवमांश कुंडली

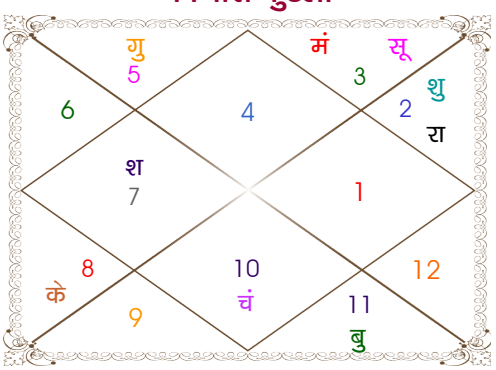

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/08/1996		15/11/2000		16/11/2010		15/11/2017		16/11/2035	
15/11/2000		16/11/2010		15/11/2017		16/11/2035		16/11/2051	
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2001	मंगल	14/04/2011	राहु	29/07/2020	गुरु	03/01/2038
	00/00/0000	मंगल	17/04/2002	राहु	01/05/2012	गुरु	22/12/2022	शनि	16/07/2040
	26/08/1996	राहु	16/10/2003	गुरु	07/04/2013	शनि	28/10/2025	बुध	22/10/2042
राहु	03/12/1996	गुरु	14/02/2005	शनि	17/05/2014	बुध	17/05/2028	केतु	28/09/2043
गुरु	22/09/1997	शनि	16/09/2006	बुध	14/05/2015	केतु	04/06/2029	शुक्र	29/05/2046
शनि	04/09/1998	बुध	15/02/2008	केतु	10/10/2015	शुक्र	04/06/2032	सूर्य	17/03/2047
बुध	11/07/1999	केतु	15/09/2008	शुक्र	10/12/2016	सूर्य	29/04/2033	चंद्र	16/07/2048
केतु	16/11/1999	शुक्र	17/05/2010	सूर्य	16/04/2017	चंद्र	28/10/2034	मंगल	22/06/2049
शुक्र	15/11/2000	सूर्य	16/11/2010	चंद्र	15/11/2017	मंगल	16/11/2035	राहु	16/11/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/11/2051		16/11/2070		16/11/2087		16/11/2094		17/11/2114	
16/11/2070		16/11/2087		16/11/2094		17/11/2114		00/00/0000	
शनि	19/11/2054	बुध	13/04/2073	केतु	13/04/2088	शुक्र	17/03/2098	सूर्य	06/03/2115
बुध	29/07/2057	केतु	11/04/2074	शुक्र	13/06/2089	सूर्य	17/03/2099	चंद्र	05/09/2115
केतु	07/09/2058	शुक्र	08/02/2077	सूर्य	19/10/2089	चंद्र	16/11/2100	मंगल	11/01/2116
शुक्र	06/11/2061	सूर्य	16/12/2077	चंद्र	20/05/2090	मंगल	16/01/2102	राहु	27/08/2116
सूर्य	19/10/2062	चंद्र	17/05/2079	मंगल	16/10/2090	राहु	16/01/2105		00/00/0000
चंद्र	20/05/2064	मंगल	14/05/2080	राहु	04/11/2091	गुरु	17/09/2107		00/00/0000
मंगल	28/06/2065	राहु	01/12/2082	गुरु	10/10/2092	शनि	17/11/2110		00/00/0000
राहु	04/05/2068	गुरु	08/03/2085	शनि	18/11/2093	बुध	17/09/2113		00/00/0000
गुरु	16/11/2070	शनि	16/11/2087	बुध	16/11/2094	केतु	17/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।